Daily Gospel Reflections in Hindi

07 October 2019

लूकस 10 : 38 - 42
Mary has chosen the better part

आज के सुसमाचार में हम गृह कार्य में व्यस्त मर्था और प्रभु के चरणों में बैठी हुई मरियम को देखते हैं। यह सुसमाचार भाग हमें हमारे सेवा कार्य और प्रार्थनामय जीवन के बारे में मनन चिंतन करने के लिए आह्वान करता है।

एक दृष्टिकोण से देखा जाए तो मारथा सही कर रही थी। उनका घर मेहमानों से भरा था, अतः यह जरूरी था कि कोई ना कोई उनके घर के कार्य को पूरा करें मेहमानों के लिए भोजन बनाना, पानी देना, घर की साफ-सफाई आदि बहुत से कार्य होते हैं। लेकिन सुसमाचार कहता है कि मरथा तुम बहुत सी बातों के विषय में चिंतित और व्यस्त हो। 'प्यार से सेवा' हमारे जीवन का आदर्श होना चाइए। चिंतित होने के बदले सेवा में आनंद और जरूरत से ज्यादा व्यस्त होने के बदले सेवा के जरिए ईश्वर एवं भाई बहनों को प्रसन्न करना हमारा प्रयास हो। सेवा कार्य हमारे लिए कभी भी बोझ नहीं बनना चाहिए क्योंकि जो भी कार्य हम दूसरों के लिए करते हैं वह हम ईश्वर के लिए करते हैं, इसका मतलब यह भी नहीं कि हम कभी थकेंगे नहीं, हम लोग हमेशा यह बोझ ईश्वर के साथ और ईश्वर के लिए उठा रहे हैं।

मरियम ईसा के चरणों पर बैठकर ईश्वर को पहचान ली। हमें सेवा और प्रार्थना को प्रतियोगिता के रूप में नहीं लेना चाहिए। हमारे जीवन के सेवाकार्य को प्रार्थना और प्रार्थना को सेवा कार्य में बदलना है। हममें से कई लोग मार्था के समान है जो सेवा कार्य में की वजह से थक गए हैं, वे प्रभु के चरणों पर जाएं। कुछ लोग मरियम के समान है जो हमेशा प्रार्थना में लगे रहते हैं। उन्हें अपनी प्रार्थना में ईश्वर से जो प्रेरणा मिलती है, उसे सेवा कार्य में बदलना चाहिए। गलतियों के नाम पत्र अध्याय 6: वाक्य 2 में हम पढ़ते हैं... ऐसे भारी बोझ उठाने में एक दूसरे की सहायता करें और इस प्रकार मसीह की विधि को पूरा करें। हम भी ईश्वरीय कार्य को बोझ ना समझ कर प्रार्थना के द्वारा लोगों तक प्रभु का सेवाकार्य पहुंचाए।

Rev. Fr. Alex Pulickaparambil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019